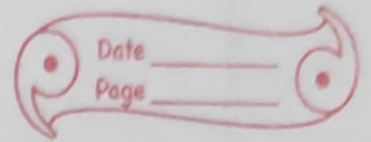


Name: Jigyansha Rout

Class: VIII

Section: (C)

School No.: 4849



1. (क) क्षमता से अधिक ~~बै~~ चींटी होती है।

(ख) मछली दिनभर दौड़ लगाती रहती है।

(ग) हमें अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ते रहने के लिए ~~बहुत सावधान रहना चाहिए~~ 'हम कर सकते, हम कर सकते' कहना चाहिए।  
~~बहुत सावधान रहना चाहिए~~

(घ) कार्य में असफल होने पर गिश्कर उठना चाहिए और ~~उठकर~~ बैठना चाहिए।

2. (क) ताई से मनोहर क्यों नफरत करता है था ?

उत्तर: ताई से मनोहर नफरत करता था क्योंकि बच्चे प्यार के भुञ्जे होते हैं और ताई मनोहर को प्यार नहीं करती थी।

(ख) रामजीदास के छोटे भाई का नाम कृष्णदास था। उनके दो संतान थीं। एक पुत्र - मनोहर और एक कन्या - चुन्नी

(बि) जब मनोहर ने ताई को एक चतंत्रा ला देने के लिए कहा तब उसने वह बात बड़े शीलपन और करुणा के साथ कही, तब, ताई का कलेजा पसीज गया।

3. मुँह ताकना - हमें किसी पर मुँह ताकना नहीं चाहिए।

गिरगिट की तरह रंग बदलना -

~~आदरणीय व्यवहार~~ रामेश्वरी रामजीदास के आने पर गिरगिट की तरह रंग बदलने लगी।

4. (क) विधानवाचक वाक्य

(ख) विधानवाचक वाक्य

(ग) आज्ञावाचक वाक्य

5. (क) जीवन में खेलों का महत्व

जीवन में खेल बहुत महत्वपूर्ण हैं। आजकल हम बाहर नहीं जा पा रहे हैं। हमें घर में खेलना चाहिए। न खेलने से हमें आलस लगीगा और ऐसा होने नहीं देना चाहिए। हमें घर में चलना चाहिए और खेल-कुद करना

चाहिए। ऐसा करने से हमें तंदुरुस्त  
और अच्छा ~~लगी~~ लगीगा। खेल-कूद  
विद्यालय में भी कराए जाते हैं<sup>१</sup> परंतु  
आज-कल वे सब बंद होने के कारण<sup>१</sup>  
थोड़ा-सा भी खेल-कूद नहीं हो रहा  
है। हमें यह समझना चाहिए और  
सस्थ रहने के लिए खेलना और कूदना  
<sup>१</sup>चाहिए। बाल्यकाल में हम अर्थक  
होते हैं।